बाघ शावक से घायल महिला स्वस्थ्य होकर घर लौटी

नवभारत न्यूज

पन्ना 7 फरवरी, पन्ना टाइगर रिजर्व के अंतर्गत वन परिक्षेत्र चंद्रनगर की बीट पलकोहा (कक्ष क्रमांक पी-538) के पास राजस्व क्षेत्र में एक महिला के घायल होने की सूचना पर वन विभाग ने त्वरित कार्रवाई की है।

उपचार के पश्चात महिला अब पूर्णत: स्वस्थ है और उसे अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। बीते 3 फरवरी की शाम लगभग 6.00 बजे, राजस्व क्षेत्र के खेतों में कार्य कर रही एक महिला पर बाघ के शावक द्वारा हमला कर घायल करने की सूचना प्राप्त हुई थी। सूचना मिलते ही परिक्षेत्र अधिकारी चंद्रनगर ने तत्काल मौके पर पहुँचकर स्थिति का

जायजा लिया। विभाग द्वारा तत्परता दिखाते हुए घायल महिला को शासकीय वाहन और कर्मचारियों की निगरानी में जिला अस्पताल छतरपुर पहुँचाया गया। महिला के पैर में आई मामूली चोटों के उपचार हेतु परिजनों को तात्कालिक सहायता के रूप में 1000 रूपये की राशि भी प्रदान की गई। बाघ की हलचल पर नजर रखने के लिए क्षेत्र में 2 जोड़ी कैमरा ट्रैप लगाए गए हैं। साथ ही, कल से ड्रोन के माध्यम से भी हवाई निगरानी की जाएगी। आज दोपहर सहायक संचालक एवं परिक्षेत्र अधिकारी ने स्टाफ के साथ घटनास्थल का सूक्ष्म मुआयना किया, जिसमें बाघ और शावक की मौजूदगी की पुष्टि हुई है। पन्ना टाईगर रिजर्व प्रबंधन ने ग्रामीणों से अपील की है कि दिन में आवश्यक होने पर समूह बनाकर ही खेतों में जाएं। सुरक्षा हेतु अपने साथ लाठी/डंडा अवश्य रखें। परिक्षेत्र अधिकारी चंद्रनगर लगातार अस्पताल के संपर्क में रहे। दो दिनों के सफल उपचार के बाद गत दिवस महिला को जिला अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया है। महिला वर्तमान में पूरी तरह स्वस्थ है। घटना के बाद से ही क्षेत्र संचालक नरेश यादव एवं उप संचालक, पन्ना टाइगर रिजर्व वीरेंद्र पटेल के निर्देशन में वन विभाग की टीमें अलर्ट पर हैं। सुरक्षा हेतु सघन गश्त के लिए वन विभाग के दो दल दिन-रात क्षेत्र में लगातार गश्त कर रहे हैं।

वाहन की टक्कर से तेंदुआ शावक की मृत्यु

दिनांक 07 फरवरी को पन्ना टाइगर रिजर्व के परिक्षेत्र मड़ला अन्तर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग के पास राजस्व क्षेत्र में सुबह 11.15 बजे 01 तेंदुआ शावक मृत अवस्था में पाया गया। मौके पर पाये गये साक्ष्यो एवं तेंदुए के शरीर पर पाये गये जख्मो से तेंदुये की मृत्यु आज दिनांक 07 फरवरी को सुबह 10.30 से 11.00 के मध्य किसी अज्ञात वाहन के टकराने से होना प्रतीत होती हैं। उक्त प्रकरण में जांच करते हुये उक्त अज्ञात वाहन के विरुद्ध वन अपराध प्रकरण पंजीबद्ध किया जाकर मौके पर जांच की जा रही है। प्रकरण की जांच हेतु पुलिस विभाग के साइवर सेल एवं उपलब्ध सी.सी.टी.व्ही. के आधार पर अज्ञात वाहन की खोज की जा रही है।

मझगांय डेम में काली मिट्टी उठाने के लिए तहसील प्रशासन ने दिलवाया रास्ता

नवभारत न्यूज

अजयगढ़/पन्ना 7 फरवरी, अजयगढ़ तहसील के अंतर्गत मझगांय बांध का निर्माण कार्य चल रहा है जो मिट्टी का बांध बनाया जा रहा है जिससे अजयगढ़ पन्ना देवेन्द्रनगर बृजपुर सहित हर घर पेयजल पानी पहुंचाने की शासन की महत्वाकांक्षी योजना में निर्माणधीन बांध से आपूर्ति की जाना है जिसका निर्माण कार्य चल रहा है.

लगभग एक पखवाड़ा पूर्ण निर्माण कार्य प्रभावित होने लगा था जिस पर एसडीएम आलोक मार्को एसडीओपी राजीव सिंह भदोरिया तहसीलदार सुरेंद्र कुमार अमले के साथ पहुंचकर बांध निर्माण ठेकेदार द्वारा बांध के भराव क्षेत्र में पहले से चिन्हित काली मिट्टी को किसानों द्वारा मुआवजा पाने के बाद भी खेतों पर अपना कब्जा किए हुए थे खाली करवा कर बांध निर्माण एजेंसी को दिलवाई गई थी। लेकिन कुंवरपुर से मझगांय तक मिट्टी परिवहन करने के लिए रास्ता नहीं था किसानों की फसले बोई हुई थी लोग अपने खेतों से बाध निर्माण कार्य के ठेकेदार को मिट्टी परिवहन बांध तक के लिए रास्ता नहीं दे रहे थे जिस कारण निर्माण कार्य प्रभावित हो रहा था एसडीएम आलोक मार्को एसडीओपी राजीव सिंह भदोरिया तहसीलदार सुरेंद्र कुमार राजस्व एवं पुलिस बल के साथ पहुंचे और ग्रामीणों से चर्चा की। प्रशासन की ओर से तहसीलदार सुरेंद्र कुमार द्वारा कुंवरपुर निवासी किसान अशोक द्विवेदी को समझाया गया कि आपकी जो मेड है। उसमें से रास्ता बना लिया जाए जिससे तुम्हारी फसल का भी नुकसान ना हो बांध का निर्माण कार्य भी प्रभावित न हो पहले तो किसान मना करते रहे बाद में कुंवरपुर निवासी किसान अशोक द्विवेदी व अन्य किसानों द्वारा अपनी सहमति दे दी गई। रास्ता बनवाया गया बिना किसी के नुकसान के रास्ता बन गया जिससे किसान और निर्माण एजेंसी दोनों ने ग्रामीणों के सहयोग के लिए धन्यवाद दिया।

अनुभूति नेचर कैंप्स का हुआ आयोजन

नवभारत न्यूज

पन्ना 7 फरवरी, दक्षिण पन्ना वनमंडल के मोहंद्रा वन परिक्षेत्र में दिनांक 6 एवं 7 फरवरी को अनुभूति कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य स्कूली विद्यार्थियों में वन, वन्यप्राणी एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता विकसित करना रहा। 6 फरवरी को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सिमरिया के 120 विद्यार्थियों ने भाग लिया। वहीं 7 फरवरी को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिलपुरा के 120 विद्यार्थियों ने सहभागिता की, जिसमें जिला पंचायत अध्यक्षा मीना राजे परमार ने मुख्य अतिथि के तौर पर बच्चों का उत्साहवर्धन किया। सरपंच विशाल चैधरी एवं जनपद पंचायत पवई के सदस्य धन सिंह भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान वनमंडल अधिकारी दक्षिण पन्ना अनुपम शर्मा ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए क्विज के माध्यम से वन एवं वन्यप्राणी संरक्षण का महत्व समझाया। इस अवसर पर उपवनमंडल अधिकारी अक्षत जैन एवं प्रशिक्षु आईएफएस अधिकारी पंकज चैधरी भी उपस्थित रहे। बच्चों को कोपन धाम के निकट नेचर ट्रेल पर भ्रमण कराया गया, जहां दूरबीन के माध्यम से पक्षी दर्शन कराया गया तथा विभिन्न वृक्षों और पौधों की पहचान के लिए तख्तियां लगाकर उन्हें प्रकृति से जोड़ने का प्रयास किया गया। विद्यार्थियों को विंध्य हर्बल के प्राकृतिक उत्पादों से युक्त अनुभूति किट (शहद, ग्रोविट, आंवला कैंडी) भी प्रदान की गई, जिससे स्थानीय वन उत्पादों के महत्व से परिचित कराया गया। पन्ना के असली हीरे पहल के अंतर्गत मध्य प्रदेश दसवीं बोर्ड टॉपर अंजलि कुशवाहा द्वारा बच्चों को प्रेरित किया गया।

सीआरपीएफ में चयनित आदिवासी युवक का वन अमले किया स्वागत

नवभारत न्यूज

पन्ना 7 फरवरी, पन्ना जिले के कल्दा पठार क्षेत्र के सारंगपुर गांव निवासी रावेन्द्र आदिवासी ने कठिन परिस्थितियों के बावजूद सफलता हासिल कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। हाल ही में घोषित एसएससी जीडी परीक्षा परिणाम में उनका चयन सीआरपीएफ में हुआ है।

शिक्षा के मामले में पिछड़े माने जाने वाले इस क्षेत्र तथा भूमिया जनजाति के बीच यह उपलब्धि विशेष महत्व रखती है। आर्थिक तंगी से जूझते हुए श्रीचंद

आदिवासी के पुत्र रावेन्द्र ने अपनी मेहनत और दृढ़ संकल्प के बल पर यह मुकाम हासिल किया, और वे संभवत: कल्दा पठार की भूमिया जनजाति से सरकारी सेवा में चयनित होने वाले पहले युवा बने हैं।

इस उपलब्धि पर वनरक्षक वीरेन्द्र पटेल, वनरक्षक आशुतोष मिश्रा, ग्राम वन समिति सलैया समारी के अध्यक्ष सत्यपाल यादव एवं वेदनारायण यादव द्वारा रावेन्द्र और उनके पिता का पुष्पमाला पहनाकर तथा मिठाई खिलाकर सम्मान किया गया। चर्चा के दौरान रावेन्द्र ने बताया कि उन्होंने अपनी पूरी पढ़ाई गांव में रहकर ऑनलाइन माध्यम से की और शारीरिक परीक्षा की तैयारी भी स्वयं के प्रयासों से गांव में ही की।

शाही शादी चर्चाओं में, जिले में पहली बार दूल्हा-दुल्हन की हेलीकॉप्टर से हुई विदाई

नवभारत न्यूज

अजयगढ़/पन्ना 7 फरवरी, कल 6 फरवरी को पन्ना मे हुई शाही शादी जिले भर मे चर्चा का विषय बनी है।

जिले मे पहली बार गांव से दूल्हा अपने अजयगढ़ तहसील स्थित ग्राम पिस्टा से हेलीकॉप्टर मे पन्ना आया और स्थानीय शानवी लैंड होटल मे धूमधाम से शादी हुई और आज दुल्हन को विदाकर वापस अपने गांव हेलीकॉप्टर से ले

गया।

दूल्हा नितिन पांडे अपनी दुल्हनिया को लेने के लिए किसी सड़क मार्ग से नहीं, बल्कि आसमान के रास्ते हेलीकॉप्टर से रवाना हुआ।

कांग्रेस नेता ने पूरा किया बेटे का अरमान

पिस्टा निवासी कांग्रेस नेता एवं पूर्व विधानसभा प्रत्याशी भारत मिलन पांडे ने अपने बेटे नितिन की शादी को यादगार बनाने के लिए भारी भरकम रकम खर्च कर विशेष रूप से हेलीकॉप्टर मंगवाया। जैसे ही गांव के आसमान में हेलीकॉप्टर की गड़गड़ाहट सुनाई दी, पूरे गांव का हुजूम हेलीपैड की ओर उमड़ पड़ा। लोग दूल्हे राजा और फिर हेलीकॉप्टर से विदा होकर आई दुल्हनिया को देखने के लिए बेताब दिखे। जिले में यह अपनी तरह का पहला मामला बताया जा रहा है जहाँ बारात सीधे हेलीकॉप्टर से रवाना हुई और दुल्हन की विदाई भी उसी शान से की गई। यह शादी अब न केवल गांव बल्कि पूरे जिले में चर्चा का केंद्र बनी हुई है। भारत मिलन पांडे (दूल्हे के पिता) ने बताया कि बेटे की शादी को खास बनाना चाहता था, यह खुशी का पल है। वही नितिन पांडे (दूल्हा) का कहना है कि हेलीकॉप्टर से बारात ले जाना एक अलग अनुभव था, जो हमेशा याद रहेगा।

यातायात प्रभारी ने स्व सहायता समूह की महिलाओं को घरेलू हिंसा व यातायात नियमों की दी जानकारी

नवभारत न्यूज

पन्ना 7 फरवरी, पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमती निवेदिता नायडू, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमती वंदना सिंह चैहान के दिशा निर्देशन में यातायात प्रभारी निरीक्षक नीलम लक्षकार के द्वारा स्व सहायता समूह कार्यशाला आगरा मोहल्ला पन्ना में आयोजित की गई.

कार्यशाला में उपस्थित स्व सहायता समूह की महिलाओं को घरेलू हिंसा, उत्पीडन के संबंध में जागरूक किया गया साथ ही यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया गया। बताया गया कि तेजगति गति से वाहन चलाना, नशे की हालत में वाहन चालन, ब्रेकिंग डिस्टेन्स न रखना, गलत तरीके से ओवरटेक करना, बिना हेलमेट, बिना सीटबेल्ट वाहन चलाना, मोबाइल पर बात करते वाहन चलाना, ओवरलोडिंग वाहन एवं खराब सड़के रोड एक्सीडेन्ट के लिए जिम्मेदार है,

इनसे बचने के लिए यातायात नियमों का पालन कर निर्धारित गति में वाहन चालन, हेलमेट, सीटबेल्ट जैसे इक्युमेण्ट का उपयोग करना चाहिए। आमजन को इमरजेंसी केयर के विषय में भी बताया गया साथ ही केन्द्र सरकार द्वारा संचालित राहगीर योजना से संबंधित बिस्तृत जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि राहवीर योजना के तहत वाहन दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल व्यक्तियों को गोल्डन आवर में नजदीकी अस्पताल, ट्रामा सेंटर पहुंचाकर मदद करने वाले व्यक्तियों को सड़क परिवहन एवं राज मार्ग मंत्रालय द्वारा 25 हजार रुपए नगद राशि एवं प्रशस्ति-पत्र दिए जाने के प्रावधान है एवं ऐसे राहवीर जो सड़क दुर्घटना में गंभीर घायल व्यक्ति को त्वरित मदद पहुंचायेंगे उनमें से 10 लोगों को राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कार प्रदाय किये जायेंगे जिसमें चयनित राहवीर को 01 लाख की नगद राशि प्रदाय की जायेगी।

सांदीपनी विद्यालय भवनों के निर्माण एवं गुणवत्ता की स्थिति खराब

नवभारत न्यूज

पन्ना 7 फरवरी, जिले में संचालित सीएम राईज स्कूलों का नामकरण संदीपनि विद्यालय हो गया।

नाम तो बदल गया किन्तु इन स्कूलों में अधोसंरचना के नाम पर जो निर्माण कार्य होने थे वे पूर्ण होने की स्थिति में नहीं हैं वहीं अधिकांश सीएम राइज स्कूलों का निर्माण अत्यंत घटिया हुआ है जिसकी ओर किसी का ध्यान नहीं गया है। कहीं निर्माण की गति इतनी धीमी है कि पूर्णता समय सीमा बीतने के बाद भ संभव दिखाई नहीं दे रही है तो कहीं बताया जाता है कि निर्णण की गुणवतता ही ठीक नहीं है। निगरानी करने वाला विभाग व उसके अधिकारियों का भी नियंत्रण दिखाई नहीं देता। संबंधित संस्थाओं के प्राचार्यो द्वारा समय-समय पर इस मामले में अधिकारियों को सूचित भी किया जाता है बावजूद इसके भवनों की पूर्णता एवं अधिग्रहण की स्थिति खराब दिखाई दे रही है।

पुराने भवनों के भरोसे व्यवस्था:- बताया गया है कि जिले में कई संदीपनि विद्यालयों का संचालन पुराने एवं जर्जर भवनो में किया जा रहा है। पुराने भवनों की मरमत करवाने के निर्देश दिये जाते हैं। बार-बार मरमत के आधार पर स्कूलों को संचालित किया जा रहा है। करोड़ों रूपये भवनों के निर्माण के नाम पर स्वीकृत हैं। ठेकेदारों को कार्य भी सौंपा जा चुका है। किन्तु इस कार्य में जो ठेकेदार काम कर रहे है उनकी गतिविधियां ठीक नहीं दिखाई दे रहीं हैं।

तीन पुलिसकर्मी अति उत्कृष्ट सेवा पदक के लिए चयनित

पन्ना जिले के तीन पुलिसकर्मियों को केन्द्रीय गृह मंत्री द्वारा दिये जाने वाले अति उत्कृष्ट सेवा पदक के लिए चयनित किया गया है। हासिल जानकारी के अनुसार केन्द्रीय गृह मंत्रालय भारत सरकार के आदेशानुसार उत्कृष्ट एवं अति उत्कृष्ट कार्य वर्ष 2025 के लिए पुलिस मुख्यालय

मध्य प्रदेश भोपाल को पत्र जारी कर राज्य के पुलिस कर्मचारियों की सूची भेजी गई थी। जिसमें पन्ना थाना कोतवाली में पदस्थ सुनील कुमार पांडेय कार्यवाहक प्रधान आरक्षक, कमलेश सिंह कार्यवाहक प्रधान आरक्षक व वृषकेतु रावत कार्यवाहक प्रधान आरक्षक का नाम शामिल है। उक्त पदक पाने वाले पुलिसकर्मियों को जिलेवासियों ने बधाईयां प्रेषित की।

युवाओं में बढ़ रही विदेश जाने की ललक

नवभारत न्यूज

पन्ना 7 फरवरी, विदेश जाना हिन्दुस्तानी सभ्यता में रचे बसे लोगों के लिए सदियों से रौब व समाज में असरदार होने की पहचान के रूप में देखा जाता रहा है।

बदलते परिवेश में लोगों की इस भावना को अमलीजामा पहनाने की इच्छा को निजी कंपनियों ने काफी हद तक पूरा किया है। इसके कारण पासपोर्ट बनवाकर रखना लोगों की ऐसे अवसरों का भुनाने की तैयारी के रूप में देखा जाने लगा है। निजी कंपनियों का विदेशों में फैलता जाल एवं सरकारी विभागों से बेहतर सुविधाये देने के वायदों ने युवाओं को जिस तरीके से अपनी ओर आकर्षित किया है, उससे न सिर्फ पासपोर्ट बनवाने के इच्छुक लोगों की सम्बन्धित दफ्तरों में भीड़ बढ़ी है, बल्कि पासपोर्ट का इस्तेमाल परिचय पत्र के रूप में करने के प्रति भी लोगों खासकर युवाओं का रूझान बढ़ा है। सूत्रों का कहना है कि इसके लिए सबसे आगे व युवा है जो कुछ बया करने का जज्बा रखने के साथ अधिक से अधिक धन कमाने और विदेशों में शानो-शौकत भरी जिंदगी बिताने के ख्वाब पाले हुये है। निजी कंपनियों द्वारा इन्हें अवसर देने की प्रतिद्वंदता इसे बढ़ावा देने का काम कर रही है। यह अलग बात है कि पासपोर्ट बनवाने के लिए आवेदन करने के बाद से पासपोर्ट मिलने तक तीन माह से अधिक समय लग जाता है और इसमें लोगों को अपनी अभिरूचि भी दिखानी पड़ती है, पर इन सबके बाद भी सार्थक परिणाम सामने आये है। प्रभारी अधिकारी जिला पासपोर्ट कार्यालय के अनुसार पासपोर्ट के लिये जिन लोगों द्वारा आवेदन किए जाते है इनसे सम्बन्धित आवेदन थानों से वेरीफिकेशन के उपरांत भोपाल भेज दिया जाता है। उन्होंने यह जरूर कहा कि कितने लोगों के पासपोर्ट दिए गए आवेदनों में से बन जाते है, इसके रिपोर्ट यहां नहीं दी जाती है।

जिसका भी पासपोर्ट बनता है उसे सीधे उसके आवासीय पते पर भेज दिया जाता है। इनका कहना है कि मौजूदा दौर में पासपोर्ट बनवाने के लिए जो भीड़ बड़ी है, वह विदेशों में नौकरी के लिए जाने के इच्छुक युवाओं के कारण है। निजी कंपनियों की यह शर्त भी पासपोर्ट बनवाने वालों की संख्या में इजाफा करा रही है, जिसमें नौकरी के लिए आवेदन करते समय आवेदकों से उनके पास पासपोर्ट होने के बारे में पूछा जाता है। पासपोर्ट को आम आदमी के लिए सहज बनाने के लिए सरकार की मंशा का परिणाम यह निकला है कि जहां एक ओर जिले की विशेष पुलिस शाखा को जिला पासपोर्ट कार्यालय का दर्जा दिया गया, वहीं विदेश मंत्रालय ने भारतीय डाक एवं तार विभाग से इसके लिए एग्रीमेंट कर लिया। इसके चलते बीस रूपये में पासपोर्ट फार्म बेचा जाता है।

बीआरसी कार्यालयों में करोड़ों का खेल, निष्पक्ष जांच से हो सकता है खुलासा

नवभारत न्यूज

पन्ना 7 फरवरी, सर्व शिक्षा अभियान की योजनाओं का यदि पांच वर्ष के आय व्यय का भौतिक सत्यापन करवा लिया जाय तो हर जनपद शिक्षा केन्द्र में करोड़ों की अनियमितता का प्रमाण मिल सकता है।

इसी तरह से जिन गतिविधियों के लिये यह राशि जारी की गई थी या वे हुई या कागजों में ही पूरी हो गई। इसका प्रमाण जांच से ही हो सकता है। किन्तु यहां फिलहाल मामला कंटिनजेंसी मद को लेकर ही उलझा हुआ है। जिसकी अभी तक सही सही जांच नहीं हो पाई।

क्रय की गई सामग्री में नहीं हुआ भण्डार क्रय नियमों का पालन:- करोड़ो की सामगी खरीदी में हुये फर्जीवाड़े की जांच में एक साल से अधिक बीत गये फिर जांच पूरी नहीं हो पाई। अब कहा जा रहा है कि विस्तृत जांच करवाई जायेगी। तो क्या इसका अर्थ यह लगाया जाय कि अब जो जांच होगी उसमें कई साल लग सकते हैं।

उसकी कोई समय सीमा नहीं होगी। फिर समय बीतने के साथ ही ऐसे प्रकरण की चर्चा भी नहीं होगी क्योंकि तब तक और भी नये-नये मामले जांच व चर्चाओं में चुके हैं।

मतलब यह माना जाय कि जहां स्कूली बच्चों की सुविधाओं का मामला होगा और उसमें गंभीर वित्तीय अनियमितता, भ्रष्टाचार एवं फर्जीवाड़ा प्रकाश में आयेगा वह चाहे गणवेश घोटाला हो, चाहे वह सामग्री खरीदी घोटाला हो और चाहे फर्नीचर खरीदी घोटाला हो उसको जांच के नाम पर ही कई सालों तक लटका कर रखा जायेगा।

सर्व शिक्षा अभियान में ऐसा कौन सा पेंच फंस रहा है कि करोड़ों का फर्जीवाड़ा होने के बाद भी जांच पूरी नहीं हो पा रही है। भ्रष्टाचारियों की पहचान नहीं हो पा रही है।

पंचायतों में करोड़ों की सोलर लाइट खरीदी घोटाले वाली एजेंसियों पर नहीं हुई कार्रवाई

नवभारत न्यूज

पन्ना 7 फरवरी, स्मार्ट ग्राम स्मार्ट पंचायत के नाम पर करीब 5-6 साल पहले सोलर लाईट व एलईडी लाईट के नाम पर जिले में करोड़ों की अनियमित खरीदी पंचायतों में की गई थी ग्राम पंचायतों में पंचायत सचिवों से सांठगांठ कर सप्लायरों ने बाजार मूल्य से कई गुना अधिक दरों पर सोलर लाईट की सप्लाई कर डाली पंचायतों ने संबंधित सप्लायरों को भुगतान भी कर दिया।

जालसाजी एवं धोखाधड़ी करने वाले सप्लायरों के खिलाफ आज तक कोई कार्रवाई नहीं हो पाई। इसलिये ऐसे सप्लायरों ने करोड़ो की राशि लूटने के बाद मालामाल हो गये।

कोटेशन के नाम पर धोखाधड़ी:- खरीदी के लिये पंचायतों में सप्लायरों से कोटेशन लिये गये थे। किन्तु कई सप्लायरों ने जो कोटेशन दिये उनमें भी विसंगतियां थी। उसी सामग्री के लिये एक पंचायत में दिये गये कोटेशन की दर कुछ थी तो दूसरी पंचायत में उसी सामग्री के लिये दिये गये कोटेशन की दर कुछ और थी। फिक्सिंग के अनुसार कई तरह के कोटेशन भी विभिन्न पंचायतों को दिये गये। फिर उसी के अनुसार भुगतान कर बंदरबांट कर लिया गया। ऐसा भी नहीं हुआ कि कोटेशन की दरों में समानता हो बल्कि जहां जिस पंचायत में जो फिक्सिंग हो उसी दर पर कोटेशन देकर भुगतान प्राप्त कर लिया गया। चर्चा यह भी है कि जो सामग्री आपूर्ति की गई है उसमें किसी भी कंपनी का नाम तक कोटेशन में उल्लेखित नहीं किया गया। इसका मतलब है कि नकली, अमानक एवं घटिया सामग्री की सप्लाई पंचायतों में की गई थी। ऐसी स्थिति में सप्लायरों के खिलाफ भी कार्रवाई होनी चाहिये थी। उनके खिलाफ भी पुलिस में धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज करवाया जाना चाहिये था किन्तु ऐसा नहीं हो पाया।

कई सप्लायरों ने लगाया चूना:- जिस समय पंचायतों में सोलर लाईट की खरीदी का खेल चल रहा था उस समय जिले में कई सप्लायर पंचायतों में अपने अपने दलालों को लगा रखे थे। इन सप्लायरों में कई ऐसे भी थे जिनके पास न तो कोई टिन नम्बर था न ही किसी तरह का पंजीयन जबकि ऐसे सप्लायरों को कोटेशन जारी करने के पहले दुकान स्थापना का पंजीयन सहित विक्रय कर विभाग से टिन नम्बर लेना चाहिये था। सभी का केवल एक ही लक्ष्य था कि किस तरह से पंचायतों से सेटिंग हो और आनन फानन कोटेशन देकर राशि प्राप्त की जा सके। उसी समय यह भी निर्देश हुये थे कि सोलर के क्षेत्र में यदि किसी को अपना कारोबार करना है तो उसे ऊर्जा विकास निगम में पंजीयन करवाना होगा। किन्तु शहर से लेगर ग्रामीण क्षेत्रों तक कई ऐसी दुकाने खुल गई जिनके बारे में कोई जानता ही नहीं था।

कई सप्लायरों का रहा रोल

ग्राम पंचायतों में सोलर स्ट्रीट लाईट एवं एलईडी लगाने की योजना की खबर लगते ही यहां इतने सप्लायर तैयार हो गये कि उनकी लम्बी सूची हो गई थी। कई सप्लायर तो झोले में ही अपनी दुकानों का संचालन कर रहे थे। इस तरह जहां ग्राम पंचायतों की पंचपरमेश्वर योजना में पलीता लगाया गया वहीं विधायक मद में भी हाथ मारने का काम हुआ। बाहर की कंपनी हो या स्थानीय स्तर पर सक्रिय सप्लायरों का गैंग हो जिसकी जहां तक चल वहां तक हाथ साफ करने का काम किया। यदि उन फाईलो की आज भी समीक्षा एवं नये सिरे से जांच हो तो ऐसे सप्लायरों को जेल जाना पड़ सकता है। किन्तु धनबल एवं संरक्षण के चलते ऐसे भ्रष्टाचारियों के खिलाफ आज तक कोई कार्रवाई नहीं हो पाई।